

न्यायालय सहायक कलक्टर (एस0डी0ओ0) जायल जिला नागौर
बईजलास श्री सुरेश कुमार प्रथम आर0ए0एस0

राजस्व वाद संख्या- 84/2017

1. गंगासिंह पुत्र सुरजनसिंह, जाति राजपूत,
निवारी दुगस्ताउ, तहसील जायल, जिला नागौर

_____वादी

बनाम



1. नरपतसिंह
2. जयसिंह
3. रामसिंह
4. हरिसिंह
5. पदमसिंह
6. नारायणसिंह पीसरान सुरजनसिंह
7. सुगनकंवर पत्नि सुरजनसिंह
8. सुप्यार कंवर पत्नि सवाईसिंह,
सभी जाति राजपूत निवासीगण दुगस्ताउ, तहसील जायल जिला नागौर
9. राज्य सरकार जरिये तहसीलदार जायल
10. उपपंजीयन अधिकारी जायल

_____प्रतिवादीगण

वाद वास्ते घोषणा खातेदारी विमाजन, व स्थाई निषेधाज्ञा
अधीन धारा 88, 53 व 188 राज. टिनेन्सी एक्ट

- उपस्थित अधिवक्ता-
1. वादी की ओर से श्री जियाराम गोदारा एडवोकेट
 2. प्रतिवादीगण संख्या 1 से 7 की ओर से श्री अंबालाल एडवोकेट
 3. प्रतिवादी संख्या 8 संख्या 10 के ईकतरफा कार्यवाही है।

:: निर्णय ::

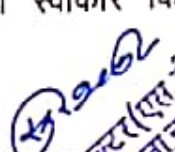
दिनांक -

सहायक कलक्टर
ज. बी. पी. 1/148 (1/148)

वादी को वाद का संक्षेप में सार इस प्रकार है कि वादी ने अपनी वंशावली बसाते हुए कथन किया कि भौजा मुगरस्ताउ में खेत खसारा नं. 109 रकबा 1409 बीघा तथा अन्य खेताय आये हुए है। पारिवारिक बंटवारा के अनुसार यह खेत वादी के बंट में आया हुआ है। प्रतिवादी संख्या 8 ने पारिवारिक समझौता के अनुसार यह खेत वादी तथा प्रतिवादीगण संख्या 1 से 7 के बंट में दिया तथा वाद में आपसी बंट के अनुसार यह खेत अकेले वादी के बंट में रखा गया। जिस समझौता के अनुसार प्रतिवादी संख्या 8 ने अपना हक त्याग दिनांक 22.05.2016 को स्टाम्प पर लिखापट्टी करवा कर नोटरी पब्लिक से तारदीक करवा कर दिया तथा इस लिखावट्टी में साखें भी सुप्यार कंवर ने डलवा दी। इस खेत पर पहले कब्जा रव. बन्नेसिंह का था तथा अब कब्जा वादी का है। लेकिन खेत वादी के नाम दर्ज नहीं होने से दावा घोषणा खातेदारी के लिए पेश किया जा रहा है। अभी हाल ही में दिनांक 01.03.2017 को प्रतिवादी संख्या 8 ने वादी को धमकी दी कि इस खेत से वादी का कब्जा हटाउंगी तथा खेत का बेचान करूंगी। इसलिए दावा प्रतिवादी संख्या 8 के विरुद्ध स्थाई निषेधाज्ञा के लिए पेश किया जा रहा है। तथा प्रतिवादी संख्या 9 व 10 को भी पाबंद करने के लिए दावा पेश किया है। तथा राज्य सरकार ऐसे दावों में आवश्यक पक्षकार होने से तहसीलदार जायल को भी पक्षकार बनाया है।

वादी का वाद पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया प्रतिवादीगण को जरिये समन तलब किया गया प्रतिवादी संख्या 1 से 7 की तरफ से श्री अंबालाल पाराशर अधिवक्ता ने वकालत नागा तथा ईकबाली जवाब दावा पेश कर वाद से सहमति जताई तथा प्रतिवादीगण संख्या 8 से 10 के वावजूद तामील गैर हाजिर रहने से उनके विरुद्ध ईकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। साक्ष्य वादी ईकतरफा ली गई जिसमें शपथ पत्र वादी गंगासिंह, प्रतिवादी नरपतसिंह, पदमसिंह का पेश किया तथा दस्तावेजी साक्ष्य में नकल खतौनी प्रदर्श 1 तथा लिखापट्टी दिनांक 22.05.2006 प्रदर्श 2 पेश की गई। वकील वादी ने साक्ष्य बंद की।

वहस वकील वादी की ईकतरफा सुनी गई। जिन्होंने वाद पत्र में किये गये कथनों को दोहराया तथा वाद को डिकी करने का निवेदन किया। मेरे द्वारा वादी के अभिकथनों तथा साक्ष्य में प्रस्तुत शपथ पत्र तथा दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। इस प्रकरण में विचारणीय बिन्दु यह है कि क्या वादग्रस्त भूमि को प्रतिवादी संख्या 8 ने वादी तथा प्रतिवादीगण संख्या 1 से 7 के हक में तर्क करके उनको सुपुर्द कर दी तथा आपसी समझौते में यह भूमि अकेले वादी के बंट में आई है। तथा इसी अनुसार डिकी प्राप्त करने का वादी हकदार है। हमने वादी के वाद तथा प्रस्तुत साक्ष्य और दस्तावेजों का अवलोकन किया नकल जमाबन्दी प्रदर्श 1 तथा लिखापट्टी प्रदर्श 2 को देखने से यह स्पष्ट होता है कि भूमि प्रतिवादी संख्या 8 के नाम दर्ज है लेकिन प्रतिवादी संख्या 8 ने एक घरेलू समझौते के लिखापट्टी करके तहत यह भूमि वादी तथा प्रतिवादी संख्या 1 से 7 को दे दी तथा प्रतिवादी संख्या 1 से 7 के ईकबाली जवाब से यह प्रकट होता है कि यह भूमि अकेले वादी को बंट में दी हुई है तथा इन तथ्यों की ताईद साक्ष्य में प्रस्तुत शपथ पत्रों से भी होती है। विशेषकर तब जबकि प्रतिवादी संख्या 8 ने वावजूद तामील रजिस्टर्ड नोटिस के भी न्यायालय में उपस्थित होकर वाद का विरोध नहीं किया है जिसे उसकी मौन स्वीकृति वाद के लीये माना जा सकता है। इस प्रकार संपूर्ण विवेचन से वादी के वाद की पूर्णतया ताईद होती है। अतः वाद वादी स्वीकार किया जाकर निम्न प्रकार से डिकी किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है।

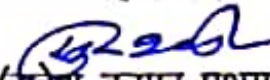

वकील (एस. डी. ओ.)
न्यायालय, जिला नागौर

1. कि यह घोषणा की जाती है कि वादग्रस्त भूमि मौजा दुगरताउ में खेत खसरा नं. 109 रकबा 14.09 बीघा अकेले वादी की खातेदारी की है।

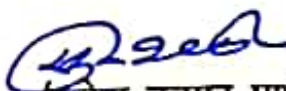
:: आदेश ::

अतः उपरोक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों के आधार पर वाद वादी का स्वीकार किया जाकर डिकी किया जाता है। इसी माफिक डिकी पर्चा भरा जाकर तहसीलदार जायल को राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद हेतु तहरीर जारी हो।




(सुरेश कुमार प्रथम)
पीठासीन अधिकारी एवं पदेन
सहायक कलेक्टर (एस.डी.ओ.)
जायल, जिला नागौर

निर्णय आज दिनांक 28.08.19 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(सुरेश कुमार प्रथम)
पीठासीन अधिकारी एवं पदेन
सहायक कलेक्टर (एस.डी.ओ.)
जायल, जिला नागौर